B.Ed. 2nd Year
Session – 2018-2020
Subject – Pedagogy of History
Course – 7 (A) /Unit – 3(b)
Topic – समस्या-समाधान **विधि**
(Problem-Solving Method)
Lecture No. - 56

Dr. Amod Kumar Sinha
(Assistant Professor)
Department of Education
A.N. D. College
Shahpur Patory
Samastipur

भूमिका

समस्या-समाधान विधि सामाजिक अध्ययन के शिक्षण की प्रमुख विधियों में से एक है। यह विधि जॉन ड्यूवी के के के प्रयोजनवाद पर आधारित है। योजना -पद्धति एवं समस्या-समाधान पद्धति मे समानता होते हुए भी गहन अंतर है। समानता की बात करें तो दोनों ही विधियों मै बालकों की क्रियाशीलता व रूचियों को प्राथमिकता दी गई है। साथ ही दोनों ही विधियाँ समस्यात्मक-प्रतिक्रिया पर आधारित है। अंतर इस बात का है कि योजना पद्धति में शारीरिक एवं मानसिक दोनों प्रकार की क्रियाएं सन्निहित है , जबकि समस्या-समाधान विधि में केवल मानसिक क्रिया की प्रधानता है। इस विधि के साथ अवबोध, विश्लेषण, संश्लेषण, सामान्यीकरण आदि जैसे कुछ उच्च स्तर के चिंतन कौशल जुड़े है। अतः यह विधि उच्च माध्यमिक कक्षाओं के लिये उचित मानी गयी है।

समस्या की विशेषताएँ
(Characteristics of Problem)

इस विधि में समस्या को प्रस्तुत करते समय निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना चाहिए-

1. समस्या का शैक्षिक मूल्य होना चाहिए।
2. समस्या व्यवहारिक तथा उपयोगी हो।
3. समस्या विद्यार्थियों की रूचि एवं मानसिक स्तर के अनुकूल हो।
4. समस्या में नवीनता हो।
5. समस्या तार्किक एवं विद्यार्थियों के पूर्व ज्ञान से संबंधित हो।
6. समस्या से संबंधित संसाधन व पुस्तकालय की उपलब्धता हो।

समस्या-समाधान विधि के सोपान

(Steps of Problem-Solving Method)

इस विधि का प्रयोग नीचे वर्णित सोपानों या चरणों में किया जाता है -

1. **समस्या की पहचान** - यह कार्य शिक्षक या विद्यार्थी या दोनों के द्वारा हो सकता है। इसमें अधिगम के अनुभवों आदान -प्रदान के आधार पर समस्या के प्रति जगरूक होने की आवश्यका होती है।

2. **समस्या को परिभाषित करना** - विद्यार्थी वर्तमान स्थिति तथा वांछित लक्ष्य की स्थिति की परिभाषित करते हैं। इससे समस्या के विभिन्न आयामों एवं विशेषताओं को समझने में मदद मिलती है तथा उसके क्रियन्वयन पर विचार किया जाता है।

3. **परिकल्पना का निर्माण** - विद्यार्थी समस्या के समाधान हेतु परिकल्पनाओं का निर्माण करते हैं।

4. **संबद्ध आकड़ों का संकलन** - विद्यर्थी समस्या एवं परिकल्पना के आधार पर संबद्ध तथ्यों, सूचनाओं, या आकड़ों को एकत्र करते हैं।

5. **परिकल्पना का परीक्षण** - विद्यार्थी स्वयं द्वारा एकत्र आकड़ों के आधार पर परिकल्पना का परीक्षण करते हैं। वे प्रत्येक प्रस्तावित समाधान के साथ जुड़े लक्ष्यों तथा हानियों की पहचान करते हैं।

6. **उत्तम समाधान का चयन** - विद्यार्थी उस उत्तम समाधान का चयन करते है जो अधिकतम लाभ एवं न्यूनतम हानियाँ प्रदान करता है।

7. **लेखांकन एवं प्रस्तुतीकरण** - विद्यार्थी अपने समाधान को कलमबद्ध कर अपने शिक्षक को मूल्यांकन हेतू प्रस्तुत करते हैं।

To be continued....